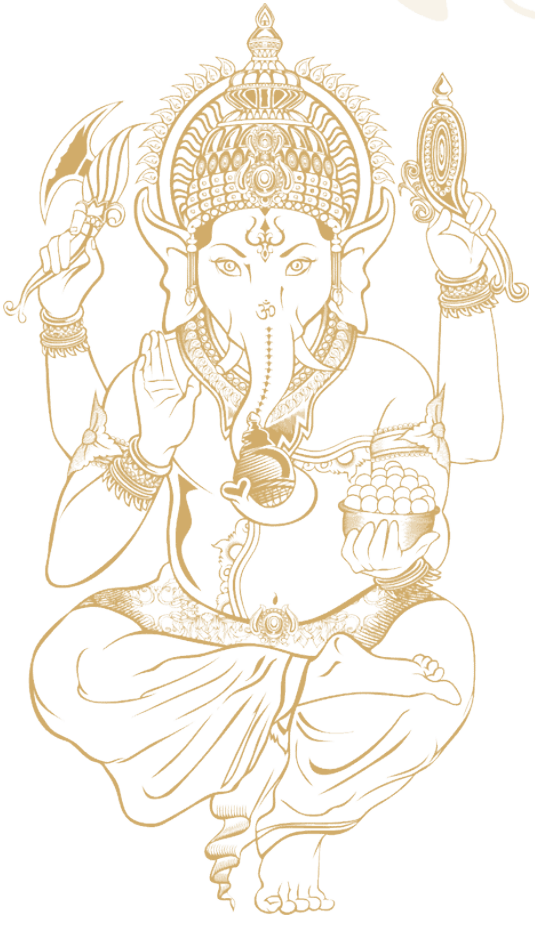

Mr.rishabh

Ms.mani

Model: Web-FreeMatching

Order No: 119348705

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
01/12/2001	जन्म तिथि	19/11/2000
शनिवार	दिन	रविवार
घंटे 11:19:00	जन्म समय	16:30:00 घंटे
घटी 11:06:39	जन्म समय(घटी)	24:26:43 घटी
India	देश	India
Mathura	स्थान	Mathura
27:30:00 उत्तर	अक्षांश	27:30:00 उत्तर
77:42:00 पूर्व	रेखांश	77:42:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:19:12	स्थानिक संस्कार	-00:19:12 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:52:20	सूर्योदय	06:43:18
17:24:10	सूर्यास्त	17:25:57
23:52:43	चित्रपक्षीय अयनांश	23:51:52

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
चन्द्र 2वर्ष 7मा 5दि	19:45:25	मक	लग्न	मेष	18:21:36	शुक्र 18वर्ष 10मा 6दि	
राहु	15:13:08	वृश्चि	सूर्य	वृश्चि	03:33:18	सूर्य	
08/07/2011	19:52:06	वृष	चंद्र	सिंह	14:05:59	26/09/2019	
07/07/2029	00:33:04	कुंभ	मंगल	कन्या	15:34:16	26/09/2025	
राहु 20/03/2014	13:10:46	वृश्चि	बुध	तुला	15:00:47	सूर्य 14/01/2020	
गुरु 13/08/2016	20:28:34	मिथु व	गुरु व	वृष	13:27:18	चन्द्र 15/07/2020	
शनि 20/06/2019	04:34:58	वृश्चि	शुक्र	धनु	13:45:24	मंगल 19/11/2020	
बुध 06/01/2022	17:47:38	वृष व	शनि व	वृष	03:37:54	राहु 14/10/2021	
केतु 25/01/2023	03:16:27	मिथु व	राहु व	मिथु	22:56:00	गुरु 02/08/2022	
शुक्र 24/01/2026	03:16:27	धनु व	केतु व	धनु	22:56:00	शनि 15/07/2023	
सूर्य 19/12/2026	27:26:41	मक	हर्ष	मक	23:16:20	बुध 21/05/2024	
चन्द्र 19/06/2028	12:39:09	मक	नेप	मक	10:15:53	केतु 26/09/2024	
मंगल 07/07/2029	20:59:46	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	18:17:24	शुक्र 26/09/2025	

लग्न-चलित

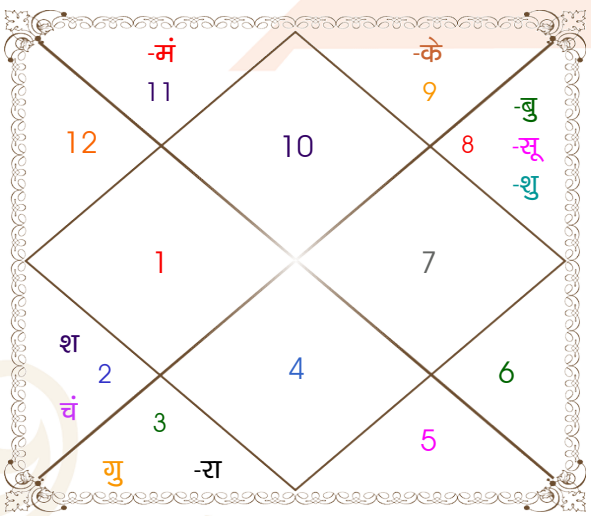

लग्न-चलित

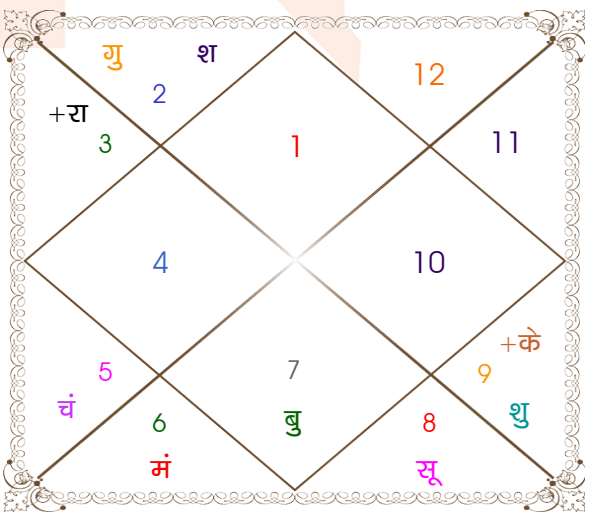

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	क्षत्रिय	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	वनचर	2	0.00	--	स्वभाव
तारा	विपत	मित्र	3	1.50	--	भाग्य
योनि	सर्प	मूषक	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	सूर्य	5	0.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	वृष	सिंह	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	23.50		

डतण्तर्पोंइी का वर्ग मृग है तथा डेण्उंदप का वर्ग मूषक है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है। अष्टकूट मिलान के अनुसार डतण्तर्पोंइी और डेण्उंदप का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

डतण्तर्पोंइी मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वितीय भाव में स्थित है।

डेण्उंदप मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है।

डतण्तर्पोंइी तथा डेण्उंदप में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।